हॉट-लाइन तकनीक से चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची गई 220 केवी लाइन

राजधानी की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत

पीपुल्स संवाददाता ● रायपुर
editor@peoplessamachar.co.in



राजधानी रायपुर की बिजली व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने के लिए दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हॉट-लाइन तकनीक से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टावरों के बीच मुंबई-हावड़ा का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, जहां औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन गुजरती है। वहीं टावर के पास लगभग 12 फीट गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं ने हॉट-लाइन तकनीक का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं एवं पूरी टीम को बधाई दी।

ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था। रेलवे ट्रैक को बिना बाधित किए तथा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हॉट-लाइन तकनीक से इस कार्य को पूरा करना ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं की तकनीकी दक्षता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दलदल सिवनी में निमार्णाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन एवं इस लाइन सहित दोनों कार्यों पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। इसके पूर्ण होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी 220/132 केवी सब स्टेशन तक सीधे बिजली पहुंच सकेगी तथा रायपुर में बिजली आपूर्ति के लिए पहले उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह सर्किट लाइनें हो जाएंगी।

लगभग 200 मीटर लंबे, मोटे एवं वजनी कंडक्टर को दूसरी ओर पहुंचाने के लिए पहले पायलट रोप तैयार किया गया। दोनों ओर पांच-पांच टन क्षमता की विंचिंग मशीनों का उपयोग किया गया।

हॉट-लाइन तकनीक से चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची गई 220 केवी लाइन

राजधानी की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत

आलाप न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर की बिजली व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने के लिए दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हॉट-लाइन तकनीक से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टावरों के बीच मुंबई-हावड़ा का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, जहां औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन



गुजरती है। वहीं टावर के पास लगभग 12 फीट गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं ने हॉट-लाइन तकनीक का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं एवं पूरी टीम को बधाई दी।

ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था। रेलवे ट्रैक को बिना बाधित किए तथा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हॉट-लाइन तकनीक से इस कार्य को पूरा करना ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं की तकनीकी दक्षता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दलदल सिवनी में निमार्णाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन एवं इस लाइन सहित दोनों कार्यों पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत आ रही है।

इसके पूर्ण होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी 220/132 केवी सब स्टेशन तक सीधे बिजली पहुंच सकेगी तथा रायपुर में बिजली आपूर्ति के लिए पहले उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह सर्किट लाइनें हो जाएंगी।

दैनिक छत्तीसगढ़ वॉच 26 JUL 2026

हॉट-लाइन तकनीक से चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची गई 220 केवी लाइन

राजधानी की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत

रायपुर (छत्तीसगढ़ वॉच ब्यूरो)। राजधानी रायपुर की बिजली व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने के लिए दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हॉट-लाइन तकनीक से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टावरों के बीच मुंबई-हावड़ा का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, जहां औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन गुजरती है। वहीं टावर के पास लगभग 12 फीट गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं ने हॉट-लाइन तकनीक का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी के

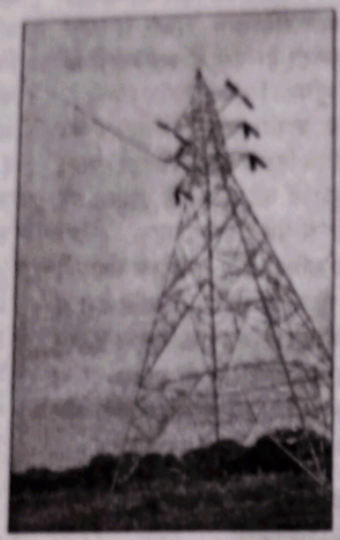

अभियंताओं एवं पूरी टीम को बधाई दी। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था। रेलवे ट्रैक को बिना बाधित किए तथा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हॉट-लाइन तकनीक से इस कार्य को पूरा करना ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं की तकनीकी दक्षता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दलदल सिवनी में निर्माणाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन एवं इस लाइन सहित दोनों कार्यों पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। इसके पूर्ण होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी 220/132 केवी सब स्टेशन तक सीधे बिजली पहुंच सकेगी तथा रायपुर में बिजली आपूर्ति के लिए पहले उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह सर्किट लाइनें हो जाएंगी।

लगभग 200 मीटर लंबे, मोटे एवं वजनी कंडक्टर को दूसरी ओर पहुंचाने के लिए पहले पायलट रोप तैयार किया गया। दोनों ओर पांच-पांच टन क्षमता की विंचिंग मशीनों का उपयोग किया गया। लगभग 90 डिग्री के कोण पर छह कंडक्टर (तार) खींचने में तीन दिन का समय लगा। 200 मीटर लंबे हिस्से को धीरे-धीरे खींचकर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।

छत्तीसगढ़

2 6 JUL 2026

डीडी सिवनी-रायता 220 केवी लाइन से राजधानी की बिजली आपूर्ति होगी मजबूत

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 25 जुलाई। राजधानी रायपुर की बिजली व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने के दावे के साथ दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हॉट-लाइन तकनीक से पूरा किया। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टावरों के बीच मुंबई-हावड़ा का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, जहां औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन गुजरती है। वहीं टावर के पास लगभग 12 फीट गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं ने हॉट-लाइन तकनीक का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इसे पूरा किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं एवं पूरी टीम को बधाई दी।

ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि उन्होंने कहा कि दलदल सिवनी में निर्माणाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन एवं इस लाइन सहित दोनों कार्यों पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। इसके पूर्ण होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी 220/132 केवी सब स्टेशन तक सीधे बिजली पहुंच सकेगी तथा रायपुर में बिजली आपूर्ति के लिए पहले उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह सर्किट लाइनें हो जाएंगी।

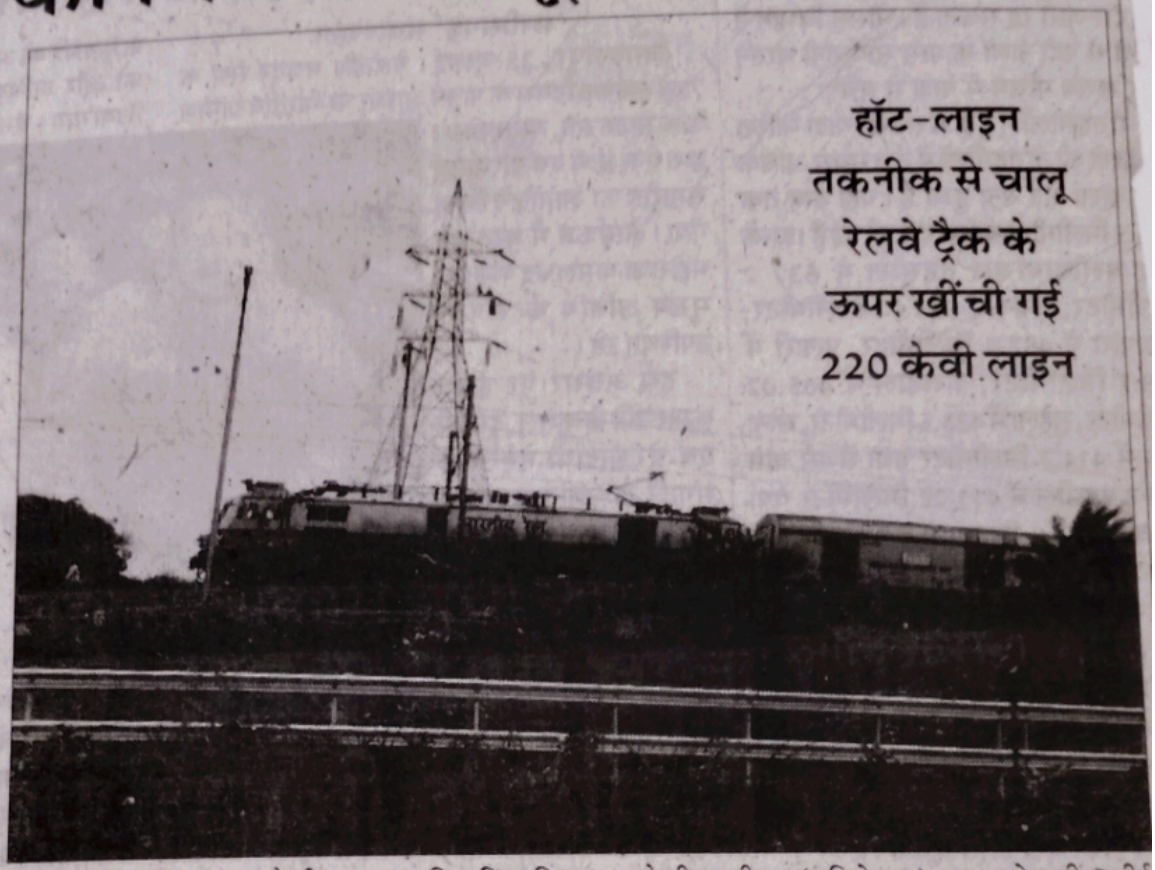

हॉट-लाइन तकनीक से चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची गई 220 केवी लाइन

इस प्रकार रेलवे ट्रैफिक को बाधित किए बिना 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य पूर्ण किया गया। इस कार्य में डीआरएम कार्यालय के अधिकारी भी समन्वय बनाये रहे एवं ट्रैक पर सुरक्षा के इंतजाम के साथ निगरानी के लिये कर्मचारी तैनात किये गए थे। इस कार्य में ईडी संजय पटेल, सीई (परियोजना) प्रसन्ना गोसावी, एसीई ईश्वर कंवर, एस?ई वीए देशमुख, ईई यूके यादव, एई सुरेश वर्मा, पीके तिवारी, प्रबोल मिश्रा, रोम ठाकुर, प्रतीक मित्रा तथा एजेंसी लक्ष्मी सिद्धार्थ ट्रांसमिशन के वेणुगोपाल रेड्डी का विशेष योगदा रहा।

दैनिक
विश्व परिवार
27 JUL 2026

हॉट-लाइन तकनीक से चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची गई 220 केवी लाइन

- राजधानी की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत



...पुर (विश्व परिवार)। राजधानी ...पुर की बिजली व्यवस्था को ...फ बनाने के लिए दलदल ...नी से रायता तक 220 केवी ...ी सर्किट लाइन का कार्य हॉट-...न तकनीक से सफलतापूर्वक पूरा ... गया। यह कार्य अत्यंत ...पूर्ण था क्योंकि लगभग 60 ...ऊंचे दो टावरों के बीच मुंबई-...का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, ...सितन हर 10 मिनट में एक ट्रेन ...है। वहीं टावर के पास लगभग ...गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन ...के अभियंताओं ने हॉट-लाइन ...का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं एवं पूरी टीम को बधाई दी।

ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था। रेलवे ट्रैक को बिना बाधित किए तथा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हॉट-लाइन तकनीक से इस कार्य को पूरा करना ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं की तकनीकी दक्षता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दलदल सिवनी में निर्माणाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन एवं इस लाइन सहित दोनों कार्यों पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। इसके पूर्ण होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी 220/132 केवी सब स्टेशन तक सीधे बिजली पहुंच सकेगी तथा रायपुर में बिजली आपूर्ति के लिए पहले उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह सर्किट लाइनें हो जाएंगी।

समाचार पचीसा
रायपुर, रविवार 26 जुलाई 2026

26 JUL 2026

हॉट-लाइन तकनीक से चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची गई 220 केवी लाइन

■ राजधानी की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत

रायपुर। राजधानी रायपुर को बिजली व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने के लिए दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हॉट-लाइन तकनीक से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टावरों के बीच मुंबई-हावड़ा का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, जहां औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन गुजरती है। वहीं टावर के पास लगभग 12 फीट गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं ने हॉट-लाइन तकनीक का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं एवं पूरी टीम को बधाई दी। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था। रेलवे ट्रैक को बिना

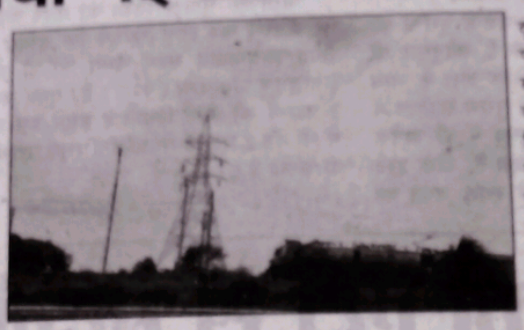

बाधित किए तथा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हॉट-लाइन तकनीक से इस कार्य को पूरा करना ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं की तकनीकी दक्षता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दलदल सिवनी में निर्माणाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन एवं इस लाइन सहित दोनों कार्यों पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। इसके पूर्ण होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी 220/132 केवी सब स्टेशन तक सीधे बिजली पहुंच सकेगी तथा रायपुर में बिजली आपूर्ति के लिए पहले उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह सर्किट लाइनें हो जाएंगी। लगभग 200 मीटर लंबे, मोटे एवं वजनी कंडक्टर को दूसरी ओर पहुंचाने के लिए पहले पायलट रोप तैयार किया गया। दोनों ओर पांच-पांच टन क्षमता की विंचिंग मशीनों का उपयोग किया गया। लगभग 90 डिग्री के कोण पर छह कंडक्टर (तार) खींचने में तीन दिन का समय लगा। 200 मीटर लंबे हिस्से को धीरे-धीरे खींचकर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।

इस प्रकार रेलवे ट्रैफिक को बाधित किए बिना 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य पूर्ण किया गया। इस कार्य में डीआरएम कार्यालय के अधिकारी भी समन्वय बनाये रहे एवं ट्रैक पर सुरक्षा के इंतजाम के साथ निगरानी के लिये कर्मचारी तैनात किये गए थे। इस कार्य में कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, मुख्य अभियंता (परियोजना) श्री प्रसन्ना गोसावी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री ईश्वर कंवर, अधीक्षण अभियंता श्री वीए देशमुख, कार्यपालन अभियंता श्री यूके यादव, सहायक अभियंता श्री सुरेश वर्मा, श्री पीके तिवारी, श्री प्रबोल मिश्रा, श्री राम ठाकुर, श्री प्रतीक मित्रा तथा एजेंसी लक्ष्मी सिद्धार्थ ट्रांसमिशन के श्री वेणुगोपाल रेड्डी का विशेष योगदान रहा।

26 JUL 2026

TIMES CITY

28 JUL. 2026

Hot-line tech strings 220 kV line over rly track without disrupting train traffic

Partha.Behera
@timesofindia.com

Raipur: Chhattisgarh State Power Transmission Company Limited (CSPTCL) has strung a 220 kV multi-circuit power transmission line over a busy railway track between Daldal Seoni and Raita using the hot-line technique without disrupting train movement.

The line was drawn between two towers nearly 60 metres high across the Mumbai-Howrah railway line, where a train passes roughly every 10 minutes, officials said.

Engineers executed the work despite difficult terrain, including a 12-foot-deep drain near one of the towers, and completed the installation successfully to strengthen Raipur's electricity infrastructure.



The 220 kV multi-circuit power transmission line in Raipur

Managing director of CSPTCL Rajesh Kumar Shukla said the 220/132 kV sub-station at Daldal Seoni and the transmission line together involve an investment of Rs 89 crore.

Once the system becomes fully operational, electricity will flow directly from the 400 kV sub-station at Raita to the Daldal Seoni sub-station, he said. The addition will increase the number of available 220 kV circuit lines supplying power to Raipur from four to six, thereby strengthening the capital city's power distribution grid, officials said.

Technical teams first laid a pilot rope to pull the heavy 200-metre-long conductor across the tracks. Five-tonne winching machines were installed at both ends to manage the load. Workers then pulled six conductors at a 90-degree angle over three days to complete the installation, officials said.

Officials from the Division Railway Manager (DRM) office coordinated security arrangements and deployed track monitors during the execution of the work.

2 6 JUL 2026 नईदुनिया 2 6 JUL 2026

हाट-लाइन तकनीक से मुंबई-हावड़ा ट्रैक के ऊपर बिछी 220 केवी लाइन

राजा ब्यूरो, नईदुनिया, रायपुर : राजधानी की बिजली आपूर्ति को मजबूत बनाने के लिए स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि हासिल की है। दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हाट-लाइन तकनीक से मुंबई-हावड़ा के व्यस्त रेलवे ट्रैक के ऊपर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। करीब 200 मीटर लंबे और भारी कंडक्टर को स्थापित करने के लिए दोनों ओर पांच-पांच टन क्षमता की विंचिंग मशीनों का उपयोग किया गया।

लगभग 90 डिग्री के कोण पर छह कंडक्टर खींचने में तीन दिन लगे। पूरे कार्य के दौरान डीआरएम कार्यालय के अधिकारियों ने समन्वय बनाए रखा और रेलवे ट्रैक पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टावरों के बीच से गुजरने वाले रेलवे ट्रैक पर औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन गुजरती है। इसके अलावा, टावर के समीप 12 फीट गहरा नाला होने से कार्य और भी चुनौतीपूर्ण था। अभियंताओं ने विशेष हाट-लाइन तकनीक का उपयोग करते हुए सुरक्षा मानकों का पालन किया और लाइन बिछाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।



220 केवी मल्टी सर्किट लाइन। • ट्रांसमिशन कंपनी

राजधानी को मिलेंगी छह 220 केवी सर्किट लाइनें

दलदल सिवनी में निर्माणाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन और इस मल्टी सर्किट लाइन पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। परियोजना पूरी होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी तक सीधे बिजली आपूर्ति संभव होगी। साथ ही, रायपुर के लिए उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह हो जाएंगी, जिससे शहर की विद्युत आपूर्ति अधिक स्थिर और भरोसेमंद बनेगी। रेलवे यातायात को बिना बाधित किए इस जटिल कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और स्टेट पावर कंपनी के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने अभियंताओं की टीम को बधाई दी है।

हॉट-लाइन तकनीक से चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची गई 220 केवी लाइन

राजधानी की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत

■ स्वतंत्र स्वर

रायपुर। राजधानी रायपुर की बिजली व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने के लिए दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हॉट-लाइन तकनीक से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टावरों के बीच मुंबई-हावड़ा का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, जहां औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन गुजरती है। वहीं टावर के पास लगभग 12 फीट गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं ने हॉट-लाइन तकनीक का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं एवं पूरी टीम को बधाई दी। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल



था। रेलवे ट्रैक को बिना बाधित किए तथा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हॉट-लाइन तकनीक से इस कार्य को पूरा करना ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं की तकनीकी दक्षता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दलदल सिवनी में निर्माणाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन एवं इस लाइन सहित दोनों कार्यों पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। इसके पूर्ण होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी 220/132 केवी सब स्टेशन तक सीधे बिजली पहुंच सकेगी तथा रायपुर में बिजली आपूर्ति के लिए पहले उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह सर्किट लाइनें हो जाएंगी।

लगभग 200 मीटर लंबे, मोटे एवं वजनी कंडक्टर को दूसरी ओर पहुंचाने के लिए पहले पायलट रोप तैयार किया गया। दोनों ओर पांच-पांच टन क्षमता की विंचिंग मशीनों का उपयोग किया गया। लगभग 90 डिग्री के कोण पर छह कंडक्टर (तार) खींचने में तीन दिन का समय लगा। 200 मीटर लंबे हिस्से को धीरे-धीरे खींचकर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इस प्रकार रेलवे ट्रैफिक को बाधित किए बिना 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य पूर्ण किया गया। इस कार्य में डीआरएम कार्यालय के अधिकारी भी समन्वय बनाये रहे एवं ट्रैक पर सुरक्षा के इंतजाम के साथ निगरानी के लिये कर्मचारी तैनात किये गए थे। इस कार्य में कार्यपालक निदेशक संजय पटेल, मुख्य अभियंता (परियोजना) प्रसन्ना गोसावी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता ईश्वर कंवर, अधीक्षण अभियंता वीए देशमुख, कार्यपालन अभियंता यूके यादव, सहायक अभियंता सुरेश वर्मा, पीके तिवारी, प्रबोल मिश्रा, राम ठाकुर, प्रतीक मित्रा तथा एजेंसी लक्ष्मी सिद्धार्थ ट्रांसमिशन के वेणुगोपाल रेड्डी का विशेष योगदान रहा।

दैनिक भास्कर रायपुर 25-07-2026

अब राजधानी में बिजली गुल होने की आशंका कम, 220 केवी की दो नई सर्किट लाइनें जुड़ेंगी

भास्कर न्यूज | रायपुर

राजधानी रायपुर की बिजली सप्लाई को अधिक भरोसेमंद बनाने की दिशा में बड़ा काम पूरा हो गया है। दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट ट्रांसमिशन लाइन बिछा दी गई है। ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि इसके शुरू होने के बाद रायपुर को मिलने वाली 220 केवी बिजली की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह हो जाएंगी। किसी एक लाइन में खराबी आने पर भी दूसरे रूट से बिजली सप्लाई जारी रखी जा सकेगी और बड़े पैमाने पर बिजली कटौती की संभावना कम होगी।

भास्कर नॉलेज

आम लोगों को होंगे ये फायदे

- 220 केवी की 4 से बढ़कर 6 सर्किट लाइन से बिजली आपूर्ति के वैकल्पिक रास्ते बढ़ेंगे
- एक लाइन में खराबी आने पर पूरे शहर की बिजली बंद होने का खतरा घटेगा
- दलदल सिवनी नया 220/132 केवी सब स्टेशन से बढ़ती आबादी और नए इलाकों को बेहतर बिजली मिलेगी
- मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क के कारण लंबे समय की बिजली कटौती और ट्रिपिंग की घटनाएं कम हो सकती हैं
- भविष्य की मांग के अनुरूप क्षमता से आने वाले वर्षों में बढ़ती बिजली खपत को संभालना आसान होगा।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा • असम
Rajdhani - 25 Jul 2026 - 26rd5
epaper.navabharat.news

हॉट-लाइन तकनीक से चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची 220 केवी लाइन

मुंबई-हावड़ा के अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक के ऊपर से ट्रांसमिशन

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर। राजधानी रायपुर की बिजली व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने के लिए दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हॉट-लाइन तकनीक से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टॉवरों के बीच मुंबई-हावड़ा का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, जहां औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन गुजरती है। वहीं टॉवर के पास लगभग 12 फीट गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं ने हॉट-लाइन तकनीक का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं एवं पूरी टीम को बधाई दी। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था। उन्होंने कहा कि दलदल सिवनी में निर्माणाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन एवं इस लाइन सहित दोनों कार्यों पर लगभग 89 करोड़ रुपए की लागत आ रही है।

कंडक्टर खींचने में लगे तीन दिन

लगभग 200 मीटर लंबे, मोटे एवं वजनी कंडक्टर को दूसरी ओर पहुंचाने के लिए पहले पायलट रोप तैयार किया गया। दोनों ओर पांच-पांच टन क्षमता की विंचिंग मशीनों का उपयोग किया गया। लगभग 90 डिग्री के कोण पर छह कंडक्टर (तार) खींचने में तीन दिन का समय लगा।

के समस्त कर्मचारियों का इस

हॉट-लाइन तकनीक से चालू रेलवे ट्रैक के ऊपर खींची गई 220 केवी लाइन, राजधानी की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत

रायपुर (कुबेर भूमि)। राजधानी रायपुर की बिजली व्यवस्था को फुलप्रूफ बनाने के लिए दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य हॉट-लाइन तकनीक से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि लगभग 60 मीटर ऊंचे दो टावरों के बीच मुंबई-हावड़ा का अत्यंत व्यस्त रेलवे ट्रैक है, जहां औसतन हर 10 मिनट में एक ट्रेन गुजरती है। वहीं टावर के पास लगभग 12 फीट गहरा नाला भी है। ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं ने हॉट-लाइन तकनीक का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैफिक को बिना बाधित किए इस कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि पर ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं एवं पूरी



टीम को बधाई दी। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि दलदल सिवनी से रायता तक 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था। रेलवे ट्रैक को बिना बाधित किए तथा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हॉट-लाइन तकनीक से इस कार्य को पूरा करना ट्रांसमिशन कंपनी के अभियंताओं की तकनीकी दक्षता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दलदल सिवनी में निर्माणाधीन 220/132 केवी सब स्टेशन एवं इस लाइन सहित दोनों कार्यों पर लगभग 89 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। इसके पूर्ण होने पर रायता स्थित 400 केवी सब स्टेशन से दलदल सिवनी 220/132 केवी सब स्टेशन तक सीधे बिजली पहुंच सकेगी तथा रायपुर में बिजली आपूर्ति के लिए पहले उपलब्ध 220 केवी की चार सर्किट लाइनें बढ़कर छह सर्किट लाइनें हो जाएंगी।

लगभग 200 मीटर लंबे, मोटे एवं वजनी कंडक्टर को दूसरी ओर पहुंचाने के लिए पहले पायलट रोप तैयार किया गया। दोनों ओर पांच-पांच टन क्षमता की विंचिंग मशीनों का उपयोग किया गया। लगभग 90 डिग्री के कोण पर छह कंडक्टर (तार) खींचने में तीन दिन का समय लगा। 200 मीटर लंबे हिस्से को धीरे-धीरे खींचकर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इस प्रकार रेलवे ट्रैफिक को बाधित किए बिना 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन का कार्य पूर्ण किया गया। इस कार्य में डीआरएम कार्यालय के अधिकारी भी समन्वय बनाये रहे एवं ट्रैक पर सुरक्षा के इंतजाम के साथ निगरानी के लिये कर्मचारी तैनात किये गए थे। इस कार्य में कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, मुख्य अभियंता (परियोजना) श्री प्रसन्ना गोसावी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री ईश्वर कंवर, अधीक्षण अभियंता श्री वीए देशमुख, कार्यपालन अभियंता श्री यूके यादव, सहायक अभियंता श्री सुरेश वर्मा, श्री पीके तिवारी, श्री प्रबोल मिश्रा, श्री राम ठाकुर, श्री प्रतीक मित्रा तथा एजेंसी लक्ष्मी सिद्धार्थ ट्रांसमिशन के श्री वेणुगोपाल रेड्डी का विशेष योगदान रहा।